Sri Sathya Sai College for Women, Bhopal

(An Autonomous College affiliated to Barkatullah University, Bhopal)

(NAAC Accredited 'A' Grade)

SYLLABUS

UG

SESSION- 2023-24

CLASS: B.A. I YEAR

SUBJECT: Hindi Literature

Sri Sathya Sai College for Women, Bhopal

(An Autonomous College Affiliated to Barkatullah University Bhopal)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम

सत्र–2023-24

(NEP-2020)

कक्षा	:	बी.ए. प्रथम वर्ष
विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	प्रथम
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी काव्य
अधिकतम अंक	:	70 नियमित विद्यार्थी के लिए निर्धारित + सतत् मूल्यांकन 30 = 100
न्यूनतम उत्तीर्ण अंक	:	35
क्रेडिट मान	:	06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी काव्य की सुदीर्घ परम्परा से परिचित होंगे।
- प्रसिध्द रचनाओं के अध्ययन से देश की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय पृष्ठभूमि से सुविज्ञहोंगे।
- विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होगा, उनकी जीवन दृष्टि का विस्तार होगा जिससे वह जीवन एवं जीवन मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे।
- रचनात्मक कौशल में दक्षता होगी जिससे उन्हें रोजगार की अनेक संभावनाएँ मिलेंगी।

विवरण

इकाई–1 **भारतीय ज्ञान परंपरा के अन्तर्गत हिन्दी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि**

1हिन्दी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि –1.1 काल विभाजन एवं नामकरण। 1.2 आदिकाल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।1.3 आदिकालीन काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ। 1.4 आदिकालीन कवि।

2. प्रमुख कवि– 2.1 गोरखनाथ (व्याख्या एवं समीक्षा)–गोरखनाथ सबदी – पद सं 2, 4, 7, 8, 16, राग रामग्री पद 10, 11. 2.2 चंदबरदाई (व्याख्या एवं समीक्षा)–पृथ्वीराज रासो– कनवज्जा समय –कवित्त 144, 145, 146. 2.3 विद्यापति (व्याख्या एवं समीक्षा)–पदावली – पद सं, 1, 49, 54, 55, 58

इकाई–2 1. **भक्तिकाल एवं प्रमुख कवि–**

1.1 भक्ति आंदोलनः सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।1.2 काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ। 1.3 प्रमुख निर्गुण एवं सगुण कवि, भक्ति काल की प्रवृत्तियाँ।

2 प्रमुख कवि – निर्गुण मार्गी –2.1 कबीरदास (व्याख्या एवं समीक्षा) साखी – गुरूदेव को अंग –

1, 5, 7 ,11 13, विरह को अंग – 4,10, 12,20 23

पद–

- दुलहनीं गावहु मंगलचार
- पंडित बाद बदंते झूठा
- लोका मति के भोरा रे
- बोलौ भाई राम की दुहाई

2.2 मलिक मोहम्मद जायसी (व्याख्या एवं समीक्षा)–मानसरोदक खण्ड –पदसं 1 से 3

3 प्रमुख कवि – सगुणमार्गी–3.1 सूरदास (व्याख्या एवं समीक्षा)पद सं. 21,23 25, 85

3.2 गोस्वामी तुलसीदास (व्याख्या एवं समीक्षा)अयोध्याकाण्ड–मांगी नाव न केवटु आना। कहइ तुम्हार मरमु मैं जाना।सेबिदा कीन्ह करूनायतन भगति बिमल बरू देइ। (102 दोहा तक)

इकाई–3 **1 रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि**

1.1 रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि1.2 रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद – रीतिसिद्ध,रीतिबदध और रीतिमुक्त 1.3 रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ।

2 प्रमुख कवि

2.1 बिहारी (व्याख्या एवं समीक्षा)–दोहा क. 1 ,16 ,18, 20, 21, 25, 27, 28, 37, 46

2.2 भूषण (व्याख्या एवं समीक्षा)–शिवा बावनी पद सं 4 , 25 , 26छत्रसाल दशक पद सं. 1, 7

इकाई–4 **1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि**

1.1आधुनिककाल की सामाजिक,सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, पुनर्जागरण काल, हिन्दी नवजागरण काल एवंप्रवृत्तियाँ 1.2 भारतेन्दु युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ 1.3 द्विवेदी युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ 1.4 छायावाद युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ

2 प्रमुख कवि--2.1 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (व्याख्या एवं समीक्षा)हिन्दी भाषा – निज भाषा उन्नति अहे, सब उन्नति को मूल (10 दोहे)2.2 अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध ' (व्याख्या एवं समीक्षा)काव्य – एक बूंद, मीठी बोली2.3 जयशंकर प्रसाद (व्याख्या एवं समीक्षा)कामायनी के श्रद्धा सर्ग से – ''प्रकृति के यौवन का श्रृंगार, करेंगे कभी न बासी फूल. – से खिंची आवेगी सकल समृद्धि'' तक का अंश2.4 सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'(व्याख्या एवं समीक्षा)जागो फिर एक बारः भाग 2, वह तोड़ती पत्थर 2.5 महादेवी वर्मा (व्याख्या एवं समीक्षा)मैं नीर भरी दुख की बदली,बीन भी हूँ, मैं तुम्हारी, रागिनी भी हूँ

इकाई–5 **1 छायावादोत्तर काव्य धाराएँ एवं प्रमुख कवि**

1.1 उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ1.2 प्रगतिवाद साहित्य एवं प्रवृतियाँ1.3 प्रयोगवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ1.4 नईकविता, समकालीन कविता, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

2 प्रमुख कवि2.1 अज्ञेय (व्याख्या एवं समीक्षा)नदी के द्वीप, यह दीप अकेला

2.2 गजाननमाधव 'मुक्तिबोध' (व्याख्या एवं समीक्षा)मैं तुम लोगों से दूर हूँ, भूल गलती

2.3 नागार्जुन (व्याख्या एवं समीक्षा)अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है

2.4 धूमिल (व्याख्या एवं समीक्षा)रोटी और संसद, बीस साल बाद

3 अभ्यास–3.1 काव्य पाठ (सस्वर)3.2 सुलेखन3.3 शुद्धवाचन

सीखने का परिणाम :–

- विद्यार्थी, आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल एवं आधुनिककाल की विशेषताओं एवं उसकी पृष्ठभूमि से परिचित हुए।
- छात्रों ने निर्धारित अंशों को समझकर भाव विस्तार करना सीखा, जिससे उनकी बौद्धिक क्षमता विकसित हुई।
- छात्रों का रचनात्मक कौशल विकसित हुआ।
- छात्रों ने आलोचना के महत्व को समझा एवं उनकी समीक्षात्मक प्रवृत्ति विकसित हुई ।

पाठ्य पुस्तकें :–अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री

1. सं. बड़थ्वाल, पीतांबरदत्त, '' गोरखबानी'' प्रकाशन हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
2. दीक्षित,आनंद प्रकाश, ''विद्यापति पदावली '' साहित्य मंदिर प्रकाशन ग्वालियर
3. सं. दास, श्यामसुन्दर ''कबीर ग्रंथावली '' नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी
4. शुक्ल आचार्य रामचन्द्र ''जायसी ग्रन्थावली '' नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी
5. शुक्ल आचार्य रामचन्द्र ''भ्रमरगीत सार'' लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
6. गोस्वामी , तुलसीदास, ''श्रीरामचरितमानस'' गीता प्रेस गोरखपुर
7 रत्नाकर, जगन्नाथदास, ''बिहारी रत्नाकर'' रत्नाकर पब्लिकेशन वाराणसी
8 मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद'', 'भूषण ग्रंथावली'' साहित्य सेवक कार्यालय काशी
9 शर्मा, हेमंत, ''भारतेन्दु समग्र'' हिन्दी प्रचारक संस्था वाराणसी
10 शाही, सदानन्द, ''अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध रचनावली'' वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11 प्रसाद, जयशंकर,''कामायनी'' लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
12 शर्मा, रामविलास, ''राग–विराग '' लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
13 वर्मा, महादेवी, ''परिक्रमा'' साहित्य भवन प्रा. लि इलाहाबाद

14 पालिवाल, कृष्णदत्त, ''अज्ञेय रचनावली'' भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन नई दिल्ली
15 मुक्तिबोध, गजानन माधव, ''चाँद का मुँह टेढ़ा है'' राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
16 सिंह, नामवर, ''प्रतिनिधि कविताएं नागार्जुन'' राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
17 संपादक द्विवेदी, हजारीप्रसाद ''संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो'' काशी विश्वविद्यालय, बनारस प्रथम संस्करण 1952 ई

संदर्भ ग्रन्थ

1 डॉ. नगेन्द्र (संपा.) ''हिन्दी साहित्य का इतिहास '', नेशनल पब्लिशिग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2 शुक्ल, रामचंद्र ''हिन्दी साहित्य का इतिहास '' लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद, 2019
3 वर्मा रामकुमार, ''कबीर का रहस्यवाद'' साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1941
4 वर्मा, रामलाल, ''जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व'', भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1979
5 शर्मा मुंशीराम, ''सूरदास का काव्य वैभव '', ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर, 1965
6 त्रिगुणायत, गोविन्द, ''कबीर की विचारधारा'', साहित्य निकेतन, कानपुर
7. कुमारविमल, ''छायावाद का सौन्दर्य –शास्त्रीय अध्ययन'', राजकमल प्रकाशन, नयीदिल्ली, 1970

अधिकतम अंक – 100		
Continuous Comprehensive Evaluation 30 marks (CCE): Term End Exam Theory 70 marks		
Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): **30 Marks**	There shall be 4 class tests of 10 marks each, out of which the 3 best scores are to be taken into account.	**10+10+10= 30**
बाह्य मूल्यांकन **Time : 03:00 Hrs.**	**Section (A) 10 Marks** (a) Objective questions – 5 (b) Very Short Answer type question –5 (word limit 50 words) **Section (B) 24 Marks** **(a)** Annotations (lines to explain with reference to context from the text given in Unit – I, II, III, IV) 4 to be asked 2 to be attempted **(b)** Short Answers Type Questions 1 question from each unit (word limit – 250 words) 4 to be asked 2 to be attempted **Section (C) 36 Marks** Long answer type questions (word limit 500 words) 08 question to be set 4 to be attempted (2 from each unit)	**10 question 01 marks each - 10** **2 question 06 marks each - 12** **2 questions 06 marks each - 12** **4 questions 09 marks - 36**
		Total 70